पहाड़ **सदस्यता फार्म**

हिमालयी समाज, संस्कृति, पर्यावरण और इतिहास पर केन्द्रित
परिक्रमा, तल्लाडांडा, तल्लीताल, नैनीताल-263 002
☎: (05942) 239162 ई.मेलः ई.मेल:pahar.org@gmail.com

सदस्यता संख्याः..... दिनांकः ...../..../200..

व्यक्तिगत/संस्थागतः सालाना/आजीवन/विशिष्ट

नामः .....माता का नामः .....

पिता का नामः .....व्यवसायः .....

पताः .....

.....

.....,..... पिन ☐☐☐☐☐☐

टेलीफोन नं.ः .....मोबाइल.....ई मेलः.....

भेजी गई राशि रु.ः ..... (नकद)/मनीआर्डर/ बैंक ड्राफ्ट/ ऑन लाइन/ चैक नं.ः .....

दिनांकः ...../...../200...

हस्ताक्षर

पहाड़ का विचार 1977 में आया था और इसकी विधिवत स्थापना 1982 में हुई थी। यह हिमालय तथा पहाड़ों सम्बन्धी अध्ययन में लगी गैर सरकारी, अव्यावसायिक तथा सदस्यों के सहयोग से चलने वाली संस्था है। एक प्रकार से यह हिमालय, इसके हिस्सों या बिरादरों को समग्रता में जानने की स्वायत्त कोशिश है।

संकलन, अध्ययन-यात्राओं, संगोष्ठियों और प्रदर्शनियों के आयोजन के साथ सालाना **पहाड़**, पहले त्रैमासिक फिर अनियमित **हिमान्तर** तथा हिमालय की समस्याओं पर पुस्तिकाएं प्रकाशित की जाती हैं। हिमालय तथा पहाड़ों सम्बन्धी विषयों पर **'राहुल सांकृत्यायन स्मारक'** तथा **'गोपी-मोहन-झूसिया स्मारक'** व्याख्यानों का आयोजन होता है। अलग से भी व्याख्यान आयोजित होते हैं। **पहाड़** के 17 अंक, दर्जनों पुस्तिकाएं, पुस्तकें, पोस्टर आदि अब तक प्रकाशित हो चुके हैं। उत्तराखण्ड का नक्शा (अंग्रेजी), अल्मोड़े का 1791 का नक्शा प्रकाशित हुआ है। हिन्दी नक्शा प्रकाशनाधीन है।

1984 तथा 1994 के **पांगू-अस्कोट-आराकोट अभियानों** के बीच **पहाड़** के सदस्यों ने चमोली के **नंदीकुंड-मनपई** (1985), पिथौरागढ़ के **काली-कुटी तथा धौली घाटी क्षेत्र** (1986) तथा **गोरीगंगा-मदकन्या घाटी** (1987) का अध्ययन सर्वेक्षण किया। 1988 में **चिपको-सिन्धु अभियान** में, 1989 में **जौलजीबी- मिलम- मलारी-जोशीमठ अभियान** में और 1992 में **चिपको-ब्रह्मपुत्र अभियान** में हिस्सेदारी की। 1991-92 में **गढ़वाल के भूकम्प से ध्वस्त क्षेत्रों में राहत, अध्ययन-सर्वेक्षण** का कार्य किया और 1991 में ही **टौंस-यमुना तथा भागीरथी घाटियों** का दो कठिन दर्रे पार करते हुए अध्ययन-सर्वेक्षण किया। 1993 में **पंचकेदार क्षेत्र की अध्ययन यात्रा** सम्पन्न हुई। 1994 में **मुख्य अस्कोट-आराकोट अभियान** के साथ उत्तराखण्ड की अनेक यात्राओं के बाद 1996 में **बेगार आंदोलन की हीरक जयन्ती** के मौके पर सांस्कृतिक अभियान का आयोजन हुआ तो ताबो (हिमाचल) मठ के एक हजार साल पूरे होने पर, तत्पश्चात् 1997 में हिमाचल की **बास्पा, सतलज, स्पीती तथा चन्द्रा घाटियों की अध्ययन यात्रा** की गई। **उखीमठ-मालपा भूस्खलनों** तथा **मार्च 1999 के गढ़वाल भूकम्प** के समय **पहाड़** ने राहत कार्य और अध्ययन यात्राएं कीं। इसी वर्ष चौंदास क्षेत्र के **कण्डाली महोत्सव** में भी हिस्सेदारी की। 2000 में **पंचेश्वर बाँध परियोजना के डूब क्षेत्र की प्रारम्भिक अध्ययन यात्रा** तथा **नन्दादेवी राजजात मार्ग सर्वे व मुख्य यात्रा** सम्पन्न हुई। 2001 में **गुजरात भूकंप क्षेत्र के भ्रमण** तथा **'गोरी-धौली यात्रा रालम बाट'** में हिस्सेदारी की गई। 2002 में **चोमोलंगमा (एवरेस्ट)की उत्तर-पूर्वी घाटियों में यात्रा** की गई तथा 2004 में चौथा **अस्कोट-आराकोट अभियान** सम्पन्न हुआ। 2005 में **सिक्किम**, 2006 में **हिमाचल तथा लद्दाख**, 2007 में **असम, अरुणाचल, दार्जिलिंग**, 2008 में **गंगोत्री-कालिन्दीखाल-बद्रीनाथ** की तथा 2009 में **भूटान** की अध्ययन यात्रायें हुई।

---

*विशिष्ट तथा आजीवन सदस्यों को **पहाड़** का अंक तथा पुस्तिकाएँ निरन्तर मिलती रहेंगी, जबकि सालाना सदस्यों को **पहाड़** का एक अंक तथा एक पुस्तिका मिलेगी। **पहाड़** के अन्य प्रकाशन सभी सदस्यों को विशेष रियायती मूल्यों पर मिलेंगे।*

पहाड़ की सदस्यता

	व्यक्तिगत	विदेशों में	संस्थागत	विदेशों में
सालाना	रु. 300	20 $	रु. 500	60 $
आजीवन	रु. 2000	250 $	रु. 10,000	500 $
विशिष्ट	रु. 10000	500 $		

सदस्यता राशि **'पहाड़, नैनीताल'** के नाम बैंक ड्राफ्ट, मनीआर्डर या नकद भेजें। यदि चैक भेजना जरूरी हो तो आउट स्टेशन चैक के लिए कलेक्शन चार्ज रु. 50 जोड़ना न भूलें।